

वर्ष 2003 के विधानसभा चुनाव में मध्यप्रदेश की नई सरकार ने जिन लक्ष्यों को लेकर सत्ता हासिल की थी, आज 20 वर्ष बाद हमें अंतर साफ नजर आता है। पिछले 20 वर्षों में प्रदेश के साथ कटनी जिले को भी विकास के पंख लगे। आवश्यकतानुसार ब्रिजों और पुल-पुलियों का निर्माण, सिंचाई के साधनों की पर्याप्त उपलब्धता के साथ स्वास्थ्य सेवाओं में बेहतरीन की ओर जहाँ प्रयास किए गए, वहीं दूसरी ओर कटनी जिले में गाँव-गाँव पक्की सड़कों का जाल बिछा दिया गया। शासकीय योजनाओं का लाभ भी लोगों को मिलना सुनिश्चित हुआ। शहरी क्षेत्र में जहाँ मूलभूत सुविधाओं में तेजी के साथ बढ़ोत्तरी हुई तो दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में भी विकास के नये आयाम स्थापित हुए। 20 साल पहले का कस्बाई कटनी जिला महानगरों की दौड़ में शामिल हो चुका है। शिक्षा के क्षेत्र में भी जिले में प्रगति हुई है। नए कॉलेजों की स्थापना के साथ छात्र-छात्राओं को मिलने वाली सुविधाओं में भी बढ़ोत्तरी हुई है। सीएम हेल्पलाइन में आने वाली शिकायतों के समाधान के मामले में कटनी टॉप-10 में शामिल हुआ है। यहां की प्रचुर खनिज संपदा और स्टोन की कारीगरी की तारीफ देश की सीमाओं से भी बाहर हुई है। प्रदेश सरकार की लाइली बहना योजना के क्रियान्वयन के मामले में कटनी जिले ने उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। जिले में गरीबों के लिए आवास योजनाओं का काम भी द्रुतगति से चला, जिसका लाभ बड़ी संख्या में कटनी जिले के लोगों को मिला है। विकास की इन योजनाओं का श्रेय निश्चित रूप से मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, कटनी जिले के जन-प्रतिनिधियों और जागरूक जनता को जाता है।

अब महानगर की दौड़ में कटनी

उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने हर तहसील में खुले महाविद्यालय

राज्य सरकार द्वारा उच्च शिक्षा को बढ़ावा दिए जाने के उद्देश्य से जिले में हर तहसील में शासकीय महाविद्यालय की स्थापना की गई है। तहसीलों में महाविद्यालय खुलने से छात्रों को अपने क्षेत्र में उच्च शिक्षा की सुविधा मिली है। छात्रों को इस परेशानी को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने हर तहसील में शासकीय महाविद्यालय की स्थापना करते हुए यहां स्टाफ की पोस्टिंग करते हुए आवश्यक संकायों की व्यवस्था की है, जिससे अब गांव के बच्चे अपने क्षेत्र में उच्च शिक्षा ग्रहण करने करियर संवार रहे हैं। कटनी जिले में जिन क्षेत्रों में शासकीय महाविद्यालय, की स्थापना की गई है, उसमें उमरियापान, डीमरखेड़ा, बड़वारा, बरही, बहोरीबंद, विजयराघवगढ़, सिलोड़ी, स्लीमनाबाद एवं रीठी शामिल है। व्यवसायिक शिक्षा को ध्यान में रखते हुए कटनी जिले में पॉलिटेक्निक कॉलेज की भी स्थापना की गई है। यह कॉलेज जिला जेल के पीछे, झिंझरी में स्थित है, जहां बड़ी संख्या में बच्चे शिक्षा अध्ययन करते हुए अपना भविष्य संवार रहे हैं।

90 लाख की लागत से झिंझरी में बना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल के दौरान कटनी जिले को कई सौगातें दी हैं। इन्हीं में से एक जिला मुख्यालय कटनी में झिंझरी में 90 लाख की लागत से बनकर तैयार स्पोर्ट्स सेंटर कम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स है। जहां बड़ी संख्या में युवा खेल गतिविधियों से जुड़कर खेल के क्षेत्र में कटनी की नई पहचान को गढ़ने का काम कर रहे हैं। 17 दिसम्बर 2011 को 90 लाख रुपये की लागत से बनने वाले स्पोर्ट्स सेंटर अर्थात् स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का भूमिपूजन झिंझरी में किया गया था। कटनी जिले में खेल प्रतिस्पर्धाओं के आयोजन और अन्य खेलकूद की प्रतियोगिताओं का आयोजन हो सके और दूसरे जिलों के प्रतिभागियों के साथ ही खेलकूद में रुचि लेने वाले प्रतिभाओं को निखारा जा सके। इस उद्देश्य से स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की योजना तैयार की गई थी। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का लोकार्पण तत्कालीन सांसद नागेन्द्र सिंह और प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने किया था।

आईटीआई में विभिन्न ट्रेड में ट्रेनिंग ले रहे छात्र

उच्च शिक्षा के साथ ही औद्योगिक प्रशिक्षण के प्रति भी राज्य सरकार गंभीर है। यही कारण है कि कटनी जिला मुख्यालय में एसकेपी कॉलोनी के पीछे, रोशन नगर में शासकीय आईटीआई कॉलेज के साथ ही अन्य स्थानों में भी राज्य सरकार ने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं की स्थापना की है। अब गांवों में रहने वाले छात्रों को औद्योगिक प्रशिक्षण के लिए शहर की तरफ नहीं आना पड़ेगा। विजयराघवगढ़ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बरही एवं विजयराघवगढ़ एवं बहोरीबंद विधानसभा क्षेत्र में शासकीय आईटीआई की स्थापना करते हुए राज्य सरकार ने युवाओं को करियर निर्माण की सहायता प्रदान की है।



कटनी को मिला नया गर्ल्स कॉलेज भवन

कटनी जिला गठन के बाद से ही गर्ल्स कॉलेज के नए भवन की मांग को मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने 12.50 करोड़ की लागत से नए गर्ल्स कॉलेज भवन की स्वीकृति प्रदान कर पूरा किया। ग्राम गुलवारा के पास नवनिर्मित भवन बनकर तैयार हो चुका है और जल्द ही इस नए भवन में गर्ल्स कॉलेज को शिफ्ट कर दिया जाएगा। भवन बन जाने के बाद केवल कटनी ही नहीं वरन् गुलवारा, गनियारी, बिलहरी, बड़खेरा, लखापतेरी, पिपरौध, निवार, पहाड़ी, तिलगवा, बांधा, इमलाज, घुघरा सहित आसपास सुदूर अंचलों से कॉलेज अध्ययन के लिए आने वाली छात्राओं को सुविधा मिलेगी। कटनी में शासकीय महिला महाविद्यालय की स्थापना 1967 में की गई थी। करीब पांच दशकों से गर्ल्स कॉलेज पुराने भवन में ही संचालित हो रहा था, जबकि इस दौरान यहां छात्राओं की संख्या में कई गुना इजाफा हुआ।

चारों विधानसभा क्षेत्रों में करोड़ों की लागत से हो रहे काम

राज्य सरकार द्वारा कटनी जिले के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी गई है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा जिले में प्रवास के दौरान कई घोषणाएं की गई हैं, जो शनैः शनैः मूर्त रूप ले रही हैं। जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों में नदियों के ऊपर करोड़ों रूपए की लागत से पुलों का निर्माण कार्य चल रहा, जिसमें कटनी नदी के साथ ही छोटी महानदी, महानदी एवं अलोनी नदी पर हो रहे पुलों के निर्माण से आने वाले समय में शहर के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आवागमन की सुविधा मिलेगी।



अन्य विकास कार्य

1. नवीन जिला न्यायालय भवन।
2. बस स्टैंड ऑडिटोरियम।
3. लोक सेवा गारंटी केन्द्र भवन
4. कस्तूरबा गांधी विद्यालय भवन
5. शासकीय मॉडल स्कूल भवन।
6. सीएम राइज विद्यालय की सौगात।
7. गाँव-गाँव आँगनवाड़ी भवन।
8. नवीन पुलिस थाना भवन।
9. स्कूलों में अतिरिक्त कक्षा निर्माण।
10. जिला चिकित्सालय में ट्रामा यूनिट का निर्माण।



पिछले 20 वर्षों में कटनी जिले की प्रगति

निर्माण कार्य	2003	2023
1. स्वास्थ्य केन्द्र भवन निर्माण	184	228
2. एसी, एसटी, ओबीसी छात्रावास निर्माण	31	58
3. कृषि विकास दर	2.6	20 प्रतिशत
4. मातृ मृत्यु संख्या	379	173
5. शिशु मृत्यु संख्या	82	41
6. साक्षरता दर	63.56	71.98
7. कुपोषण की स्थिति	13662	1561
8. आईटीआई	03	06
9. पुल/आरओबी निर्माण	0.60 करोड़ 173	376.17 करोड़
10. सड़कों का निर्माण	-----	1450 किलोमीटर
11. ग्रामीण क्षेत्र में सड़कों का निर्माण	-----	827 किलोमीटर
12. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना	-----	972 किलोमीटर
13. लघु सिंचाई परियोजना	-----	29-55.46 करोड़
14. विद्युत अधोसंरचना निर्माण	-----	2113 करोड़
15. फीडर सेपरेशन	-----	231 करोड़
16. लघु सिंचाई परियोजना-4	-----	24.70 करोड़
17. अमृत सरोवर	-----	110
18. सीएम राइज विद्यालय	-----	6
19. अजा छात्रावास निर्माण	-----	4 करोड़ 60 लाख
20. कन्या शिक्षा परिसर	-----	27 करोड़
21. हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर	-----	188
22. स्वास्थ्य केन्द्रों का निर्माण	184	228
23. प्रधानमंत्री आवास निर्माण	-----	103610
24. प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना	-----	1,84,884 कनेक्शन
25. लैपटॉप वितरण	-----	4336 छात्र
26. प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि	-----	161473
27. लाइली लक्ष्मी योजना	-----	81204
28. लाइली बहना योजना	-----	240354
29. साइकिल वितरण	-----	12796
30. सबल योजना	-----	9608
31. अमृत योजना	-----	117 किलोमीटर पाइप लाइन

कटनी के तीनों स्टेशनों को जोड़ने 91 लाख से हो रहा सर्वे

शहर में तीन अलग-अलग स्टेशन (कटनी जंक्शन, कटनी मुड़वारा एवं कटनी साऊथ) होने के कारण भले ही रेलवे स्टेशनों में यात्री दबाव में कमी आने के बाद भी यात्रियों को एक स्टेशन पर उतरने के बाद दूसरे स्टेशन पहुंचकर दूसरी ट्रेन पकड़ने में कई तरह की असुविधाओं को ध्यान में रखते हुए तीनों स्टेशनों को जोड़ने हेतु आरओबी निर्माण की आवश्यकता का सर्वे कराए जाने की मांग प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से की गई थी। जिस पर मुख्यमंत्री ने इसकी स्वीकृति प्रदान की। जानकारी के मुताबिक तीनों स्टेशनों (कटनी जंक्शन, कटनी मुड़वारा एवं कटनी साऊथ) को जोड़ने हेतु कटनी साऊथ स्टेशन के पास मंगलनगर, झर्रा-टिकरिया एवं गायत्रीनगर से सिविल लाईन को जोड़ने वाले आर.ओ.बी. के निर्माण हेतु 91.09 लाख रूपए की लागत से सर्वेक्षण कार्य कराया जाएगा। जिसके लिए निविदा की कार्यवाही चल रही है। तीनों स्टेशनों को जोड़कर आरओबी का निर्माण हो जाता है तो यात्रियों को एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन पहुंचने के लिए परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा।



20 करोड़ की लागत से बनेगा इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स

शहर में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देकर खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 20 करोड़ रूपए की लागत से इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की सौगात कटनी जिले को दी गई है। कॉम्प्लेक्स का निर्माण मध्यप्रदेश पुलिस हाऊसिंग बोर्ड कार्पोरेशन द्वारा कराया जा रहा है। कॉम्प्लेक्स में दर्शकों व खिलाड़ियों की सुविधा के लिए चौपाटी में 8 करोड़ 88 लाख रूपए से मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण भी कराया जाएगा। कॉम्प्लेक्स में ऐसी सुविधाएं भी होंगी, जिससे आने वाले समय में यहां अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैचों का आयोजन कराया सके। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में पैवेलियन, चेंजिंग रूम सहित मल्टीलेवल पार्किंग की समुचित और अत्याधुनिक व्यवस्था होगी। यहां क्रिकेट, हॉकी, बैडमिंटन जैसे खेलों के लिए उच्च स्तरीय सुविधा मौजूद रहेगी। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के स्टेडियम की डिजाइन को इस प्रकार तैयार किया गया है, जिससे भविष्य में यहां पर अंतर्राष्ट्रीय टी 20 क्रिकेट मैचों का भी आयोजन कराया जा सके।

निवार और कटनी नदी पर बने पुल से आवागमन सुविधाजनक

मुड़वारा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत झिंझरी-बिलहरी-देवगांव मार्ग के किलोमीटर नंबर 10/8 में ग्राम गुलवारा एवं गनियारी के मध्य निवार नदी बाक्स टाप जलमगनीय पुल का निर्माण 2 करोड़ 57 लाख रूपए की लागत से कराया गया है। गनियारी धिनौची मार्ग के किलोमीटर नंबर 1/8 में कटनी नदी पर 6 करोड़ 66 लाख रूपए की लागत से पुल का निर्माण कराया गया है। कटनी मैहर मार्ग के किलोमीटर नंबर 368/2 कटनी नदी पर उच्च-स्तरीय पुल का निर्माण होने से चांडक चौक से नदीपार मार्ग पर हर रोज लगने वाले जाम की समस्या से शहरवासियों को राहत मिली है।

शिक्षा, स्वास्थ्य और मूलभूत सुविधाओं में तेजी से हुआ सुधार: पूरे जिले में आवश्यकतानुसार पुलों के निर्माण से सुगम हुआ आवागमन



खिरहनी और मिशन चौक ओव्हर निर्माण से मिली सुविधा

कटनी शहर चारों तरफ से रेल लाइनों से घिरा हुआ है। रेलवे का महत्वपूर्ण जंक्शन होने से रेल फाटक से काफी कष्टदायक यातायात की समस्या को मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने समझा और एक के बाद एक कई सौगातें दीं। इसमें कटनी-सतना रेलखंड पर खिरहनी फाटक और कटनी-बीना रेल लाइन पर मिशन चौक पर आरओबी प्रमुख रूप से शामिल हैं। इन दोनों ही स्थानों पर आरओबी के निर्माण से कटनी शहर के लोगों को जाम की समस्या से निजात मिला है। मुड़वारा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत रेलवे क्रासिंग क्रमांक 356/ए पर खिरहनी फाटक पर रेलवे ओव्हर ब्रिज निर्माण का 18 मार्च 2008 को भूमिपूजन के बाद काम शुरू हुआ था। वर्ष 2013 में मात्र 5 सालों की कम अवधि में ही आरओबी बनकर तैयार हो गया। आरओबी का निर्माण 33 करोड़ 64 लाख रूपए की लागत से कराया गया है। 991 मीटर लंबे आरओबी के बन जाने से कटनी से खिरहनी की तरफ जाने के लिए लोगों को आवागमन की सुविधा के साथ ही यहां रोज-रोज लगने वाले जाम की समस्या से छुटकारा मिला। फिर भी सागर रेल पुलिया के नीचे हर दिन लगने वाले जाम की समस्या से लोग परेशान थे। इस पर भी मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मिशन चौक स्थित सागर रेल पुलिया के ऊपर आरओबी निर्माण की स्वीकृति प्रदान की। करीब 86 करोड़ रूपए की लागत से वर्ष 2021 में आरओबी बनकर तैयार हो गया। कुल 1433.51 मीटर लंबे इस आरओबी के निर्माण से इस मार्ग पर जाम की समस्या से राहत मिली है।

20 साल में बदली कटनी की तकदीर और तस्वीर

20 सालों के सफर में कटनी की तस्वीर और तकदीर दोनों बदल गईं। वर्ष 2003 के बाद सत्ता में आई प्रदेश सरकार ने पूरे जिले को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाई और तेजी के साथ उनका क्रियान्वयन कराया। कटनी, जिसे मुड़वारा के नाम से जाना जाता है, मध्य भारत के महाकौशल क्षेत्र में स्थित है। यह संभागीय मुख्यालय जबलपुर से 90 किमी की दूरी पर स्थित है। कटनी जंक्शन भारत के सबसे बड़े एवं महत्वपूर्ण रेलवे जंक्शनों में से एक है और यहां भारत का सबसे बड़ा रेलवे यार्ड और सबसे बड़ा डीजल लोकोमोटिव शोड है। कटनी जिले में चूना, बॉक्साइट, मार्बल, मुरम और अन्य कई महत्वपूर्ण खनिज बहुतायत मात्रा में पाए जाते हैं। 20वीं सदी की शुरुआत के बाद से कटनी शहर के रूप में जाना जाता है। शहर का विकास ब्रिटिश शासन के अधीन ही शुरू हो चुका था। 25 मई 1998 को कटनी जिला घोषित किया गया। कटनी तीन अलग-अलग सांस्कृतिक राज्यों महाकौशल, बुंदेलखण्ड और बघेलखण्ड की संस्कृति का समूह है। कटनी जंक्शन वैगन यार्ड से अर्द्धवृत्ताकार मोड़ जैसा है, जिसके कारण लोग इसे मुड़वारा कहते हैं। एक अन्य कहानी के अनुसार स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अंग्रेजों के सिर काटने के बहादुरी भरे काम के कारण इसे मुड़वारा कहा जाने लगा। चूना पत्थर के शहर के नाम से लोकप्रिय कटनी जिला 4950 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्रफल में फैला हुआ है। ढीमरखेड़ा, बहोरीबंद, बिलहरी और करौंदी, रूपनाथ कारीतराई यहां के लोकप्रिय पर्यटन स्थल के साथ ही मौर्य, गुप्त, चंदेल, कलचुरि कालीन इतिहास समेटे हुए है। कटनी, छोटी महानदी और उमरारा यहां से बहने वाली प्रमुख नदियां हैं। कटनी का स्लीमनाबाद संगमरमर के पत्थरों के लिए प्रसिद्ध है। यह जिला उद्योग की नजर से मध्यप्रदेश का महत्वपूर्ण जिला है। यहां छोटे-बड़े कई उद्योग संचालित स्थित हैं, जिसमें दाल मिल, चावल मिल, टायर रिमोल्टिंग, फर्टिलाइजर वर्क और सीमेंट फैक्ट्री बहुतायत में हैं।

मझगवां फाटक आरओबी तैयार अलोनी नदी पर बन रहा उच्च-स्तरीय पुल

जिला मुख्यालय के मुड़वारा विधानसभा क्षेत्र की बात करें तो यहां पर भी रेलवे लाइनों और नदियों के ऊपर उच्च-स्तरीय पुलों का निर्माण कराया जा रहा है। कटनी-रीठी मार्ग में बीना रेल लाइन पर मझगवां रेलवे फाटक पर रेल ओव्हर ब्रिज का काम लगभग पूरा हो चुका है। इसके पूरा होते ही यहां से आवागमन शुरू हो जाएगा। कटनी दमोह मार्ग में रेलवे क्रासिंग क्रमांक 112 पर 4 साल के कम समय में ही आरओबी का निर्माण कार्य पूर्णता की ओर है। आरओबी का निर्माण करीब 30 करोड़ रूपए की लागत से कराया गया है। आरओबी पूर्ण हो जाने से कटनी से रीठी होते हुए दमोह, सागर की यात्रा करने वाले मुसाफिरों को राहत मिलेगी। इसी तरह घंघरीकला से घंघरीखुर्द के बीच अलोनी नदी पर 90 मीटर लंबे उच्च-स्तरीय पुल का निर्माण करीब 6 करोड़ 61 लाख रूपए की लागत से कराया जा रहा है। इसकी मुड़वारा विधायक संदीप जायसवाल द्वारा आदर्श कालोनी से मुक्तिधाम मार्ग पर कटनी नदी पर 60 मीटर लंबे जलमन्नीय पुल के निर्माण की योजना को राज्य सरकार द्वारा 23 सितंबर 2022 को स्वीकृति प्रदान करते हुए 8 करोड़ 52 लाख रूपए की राशि स्वीकृत की गई। नई बस्ती और आदर्श कॉलोनी नदीपार जाने के लिए यह पुल बायपास का काम करेगा और यहां के लोगों को चांडक चौक नहीं जाना पड़ेगा।

बड़वारा में महानदी पर बन रहे दो बड़े पुल

जिले के अन्य विधानसभा क्षेत्रों की तरह बड़वारा विधानसभा क्षेत्र में भी महानदी के ऊपर दो उच्च-स्तरीय पुल का निर्माण कराया जा रहा है। महगंवा-बीजापुर मार्ग में महानदी के ऊपर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण 12 करोड़ 7 लाख रूपए की लागत से कराया जा रहा है। करीब 200 मीटर लंबे इस पुल के निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन की सुविधा मिलेगी। इसी तरह बसाड़ी-भदौरा मार्ग में महानदी पर 150 मीटर लंबे 12 करोड़ 47 लाख रूपए की लागत से पुल का निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

कटनी के 47 गाँवों के लिए जीवनदायिनी बनी करनपुरा जल-प्रदाय योजना

करनपुरा ग्रामीण समूह जलप्रदाय योजना से घर-घर पहुँच रहा पानी



करनपुरा ग्रामीण समूह जलप्रदाय योजना से कटनी जिले के बड़वारा विकासखंड के 47 गाँवों के 9 हजार 620 परिवारों के घर में नल से जल की आपूर्ति सुनिश्चित हुई। इनमें रोहनिया, सरई, बैरागी, लखाखेरा, धनवाड़ा, बजरवाड़ा, पटना, विलायतकला, रमगढ़, पिपरिया, चपानी, पौड़ी, बड़वारा कला, उमरिया, मानपुर, रूपाँद, गोपालपुर, बदरी, बहेड़ी खुर्द, बहेड़ी कला, बहेड़ी, भदावर, गुड़ा कला, साँची, बम्होरी, सलैया, लोखन, विलायत खुर्द, पथवारी, टिकरिया, बिजौरी, सुनारी, कोदी, आमाटोला, भानपुरा, झरला, लोहरवाड़ा, लदहर, इमलिया, बम्होरी सलैया, खरहटा, देवरी, सकरीगढ़, करूआकापा, कुम्हरवाड़ा और गणेशपुर गाँव शामिल हैं। यह सब हुआ है राज्य सरकार के प्रयासों से। गर्मी के मौसम में तो इन गाँवों के लिए योजना, एक तरह से जीवनदायिनी ही बनी हुई है। विगत 24 मई को इस योजना का लोकार्पण कर जनता को सम्पन्न किया गया। योजना से उमरिया जिले के भी 60 गाँव लाभान्वित हो रहे। पहले इन सभी गाँवों में गर्मियों की शुरुआत से ही पानी की समस्या से जूझना पड़ता था। दोनों जिलों के 107 गाँवों में पेयजल आपूर्ति की इस जल प्रदाय योजना की लागत 142 करोड़ 39 लाख रूपए है। करनपुरा जल प्रदाय योजना से कटनी जिले के 47 गाँवों को पानी की आपूर्ति की जा रही है।

विजयराघवगढ़ क्षेत्र में महानदी पर बन रहे पुल

विजयराघवगढ़ क्षेत्र से महानदी होकर गुजरती है। कटनी से बरही और विजयराघवगढ़ से बरही के बीच महानदी पर क्षेत्रीय विधायक श्री संजय सत्येन्द्र पाठक के विशेष प्रयासों से विजयराघवगढ़-बरही मार्ग के किलोमीटर नंबर 5/2 में छोटी महानदी पर 8 करोड़ 67 लाख रूपए की लागत से 200 मीटर लंबे उच्च-स्तरीय पुल का निर्माण एनडीबी योजना में हो रहा है। जल्द ही इस पुल निर्माण से क्षेत्र के लोगों को आवागमन की सुविधा मिलेगी। इसी तरह बरही विजयराघवगढ़ मार्ग पर किलोमीटर नंबर 1/8 में झपावन नाले पर विजयराघवगढ़-कारोतलाई मार्ग पर 75 मीटर लंबे उच्च-स्तरीय पुल का निर्माण 4 करोड़ 39 लाख रूपए की लागत से एनडीबी योजना में कराया जा रहा है। खिरवा से चूत्रो के मध्य छोटी महानदी पर जलमन्नीय पुल निर्माण के लिए 1859 लाख रूपए की राशि स्वीकृत की गई थी।

पवई ग्रामीण समूह जल-प्रदाय योजना से 159 गाँवों को मिलेगा पानी

करीब 279 करोड़ रूपए के प्रोजेक्ट से सवा 2 लाख की आबादी को मिलेगा फायदा

पवई ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना से कटनी जिले के विकासखंड रीठी के 109 गाँव और विकासखंड कटनी मुड़वारा के 50 गाँवों को मिलाकर कुल 159 गाँवों में पेयजल आपूर्ति की जाएगी। इससे इन गाँवों के 2 लाख 25 हजार 988 ग्रामीण लाभान्वित होंगे। इसके लिए करीब 290 किलोमीटर लंबी पाइप लाइनों का नेटवर्क बिछाया जाएगा। समीपस्थ पन्ना जिले के केन नदी पर बने पवई जलाशय से कटनी जिले के 159 गाँवों के 41 हजार 283 परिवारों के घरों में नल से जल की आपूर्ति की जाएगी। करीब 279 करोड़ 30 लाख रूपए की लागत से बनने वाली इस जल प्रदाय योजना का विस्तृत सर्वे करने और गाँवों में बनी जलापूर्ति हेतु पाइप लाइन बिछाने समय गाँव में आरसीसी सड़क की कटिंग जेसीबी मशीन से नहीं कराने के निर्देश हैं। पवई डैम में 10 मीटर व्यास और 28 मीटर गहराई का एक इंटरकवेल बनेगा। साथ ही 28 एमएलडी पानी की क्षमता का पन्ना जिले के शाहनगर के ग्राम बिसानी में वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाया जायेगा। पानी की आपूर्ति करने 56 पानी की टंकियाँ तथा मुड़वारा तहसील के ग्राम खडौला में सम्पवेल, 6 पंप के साथ-साथ 17 किलो मीटर लंबी 33 केव्ही क्षमता की हार्डपिपे लाइन खोकी जायेगी। वर्ष 2025 तक योजना का पूरा होना प्रस्तावित है।